मुझे डिनर के बहाने बुलाते थे फिल्म मेकर्स: शर्लिन चोपड़ा

अपने बिंदास बयानों और बोल्ड किरदारों को लेकर सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा पिछले काफी समय से गायब थी। हाल ही में उन्होंने अपना एक सिंगल सॉन्ग तनु तनु (विडियो सहित) लॉन्च किया है। इस मौके पर शर्लिन ने मीटू अभियान को लेकर अपने विचार रखते हुए कहा कि शुरुआत में उन्हें इस तरह की बातों का सामना खूब करना पड़ा था, लोग उन्हें डिनर के बहाने काम-वासना के लिए बुलाते थे। लंबे समय से गायब शर्लिन बताती हैं, एक ऐक्टर हमेशा एक अच्छी कहानी, फिल्म और किरदार का इंतजार करता रहता हैं। मैंने भी यही किया, जब लंबे इंतजार के बाद कोई अच्छा रोल नहीं मिला तो मैंने तय किया कि अब खुद ही निर्माता बना जाए, अब हम सिंगल्स बनाएंगे और आगे फिल्म बनाने की भी तैयारी है।

मीटू अभियान के बारे में बात करते हुए शर्लिन बताती हैं, शुरुआत में जब मैं निर्माताओं को काम के लिए अप्रोच करती थी, अपना परिचय देती थी तो वह मुझे डिनर पर बुलाते थे। मैं कहती थी कि मेरा डिनर तो घर में हो गया, अब आपके ऑफिस में क्या डिनर करना। धीरे-धीरे पता चला कि बॉलिवुड में डिनर पर बुलाने का एक दूसरा मतलब भी होता है। बाद में मैंने निश्चय किया कि मैं सिर्फ ऐसे फिल्म मेकर्स से मिलूंगी, जो समझदार हैं, वह काम और टैलंट को तवज्जो देते हैं।

बॉलिवुड में डिनर का मतलब समझाते हुए शर्लिन कहती हैं, आमतौर पर डिनर का मतलब फूड होता है, लेकिन जिनकी नियत साफ नहीं होती है, वह डिनर को लस्ट (काम-वासना) के साथ जोड़ देते हैं... ऐसा करना नहीं चाहिए इन लोगों को, हम अलग-अलग शहरों से सपने लेकर आते हैं और यहां लोग गलत रास्ता दिखाते हैं। अब मैं यहां किसी का नाम नहीं लेना चाहती, कोई एक तो था नहीं, कई लोग थे, जो इसी तरह डिनर का झांसा देकर बुलाते थे। वैसे भी उनके बारे में बात करके, फालतू में उन्हें क्यों पब्लिसिटी दी जाए।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुझ पर पैसा लगाने से कतराते थे फिल्म मेकर्स: राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव कहते हैं कि फिल्म बरेली की बर्फी के पहले तक बहुत सारे निर्माता और डायरेक्टर उनके साथ काम करना चाहते थे... क्योंकि उन्हें उनकी ऐक्टिंग पसंद थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस के गणित में फेल होने के डर से वह भरोसा नहीं कर पाते थे। राव की मानें तो बरेली की बर्फी और स्त्री की शानदार सफलता और कमाई के बाद फिल्म मेकर्स का भरोसा उनपर बढ़ गया है।

राजकुमार बताते हैं, किसी भी ऐक्टर की फिल्म का सफल होना बहुत जरूरी है, ऐक्टर की फिल्म के हिट होने के बाद, जो फिल्म मेकर्स हैं, उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है और इसके बाद वह उस ऐक्टर को अपनी फिल्म में कास्ट करते हैं। मेरे साथ भी ऐसा बहुत हुआ है... कई सारे लोग थे, जो मेरे साथ काम करना चाहते थे, मेरे काम को पसंद भी करते थे, लेकिन उन्हें मेरी बॉक्स ऑफिस क्रीएटिव्ली को लेकर शंका थी, उन्हें लगता था मेरे कंधों पर इतना पैसा लगाना ठीक नहीं है।

राजकुमार आगे बताते हैं, बरेली की बर्फी और स्त्री जैसी फिल्मों की सफलता के बाद मुझ पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। आज लोग मेरे उन्हीं कंधों पर भरोसा कर रहे हैं।

मुझे यह समझ में नहीं आता कि यह बदलाव क्या है? क्योंकि मैं आज भी ऐक्टर तो वही हूं, लेकिन मैं फिल्म मेकिंग के कॉमर्स को समझता हूं।

राजकुमार राव इन दिनों अपनी रिलीज़ के लिए तैयार फिल्म एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म में उनके अलावा अनिल कपूर, सोनम कपूर, जूही चावला, बृजेन्द्र काला, सीमा पाहवा और अक्षय ओबेरॉय जैसे दमदार कलाकार हैं। फिल्म के ट्रेलर को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म को संगीत से सजाया है रोचक कोहली और उनकी टीम ने। फॉक्स स्टार स्टूडियो और विधु विनोद चोपड़ा फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म को शैली चोपड़ा ने डायरेक्ट किया है। एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा अगले महीने 1 फरवरी 2019 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

शमिता शेट्टी ने बताई अपनी वाइल्ड कार्ड एंट्री की वजह

इन दिनों रिऐलिटी शो खतरों के खिलाड़ी काफी लोकप्रिय हो रहा है। हर रोज नए-नए स्टंट्स के साथ कंटेस्टेंट्स ने फैन्स के दिलों में जगह बना ली है। ऐसे में बीच शो में शमिता शेट्टी की वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई है। शमिता 25 जनवरी से शो में दिखाई दे रही हैं। शमिता की एंट्री से जहां कई फैन्स एक्साइटेड हैं वहीं कई लोगों को शिकायत है कि वाइल्ड कार्ड एंट्री बाकी कंटेस्टेंट्स के साथ नाइंसाफी है। अब शमिता ने ट्विटर पर अपनी वाइल्ड कार्ड एंट्री की वजह बताई है।

कलर्स ने अपने ट्विटर अकाउंट पर चैट विद शमिता शुरू किया था जिसमें फैन्स शमिता से सवाल पूछ सकते थे और शमिता को उनका जवाब देना था। यहां एक फैन ने शमिता से पूछा कि वह उन्होंने शो के लिए किस तरह से तैयारी की है। इसपर शमिता ने बताया कि वह डेंगू की चपेट में आ गई थीं, इसलिए ज्यादा तैयारी नहीं कर पाई हैं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में भी शमिता बता चुकी हैं कि वह शुरूआत से ही शो का हिस्सा होने वाली थीं लेकिन आखिरी समय पर उन्हें डेंगू हो गया जिसकी वजह से वह अर्जेंटीना नहीं जा पाईं। अब शो में शमिता की एंट्री से कॉम्पटिशन और भी तगड़ा हो गया है। कलर्स ने ट्विटर पर यह भी खुलासा किया की शमिता को कॉकरोच से डर लगता है। ऐसे में वह इस डर से किस तरह जीत पाएंगी, यह देखने वाली बात होगी।

फिल्में हमेशा से मेरा पहला प्यार रही हैं: रसिका दुग्गल

अभिनेत्री रसिका दुग्गल का कहना है कि फिल्में हमेशा से उनका पहला प्यार रही हैं, लेकिन उनका कहना है कि उनके लिए माध्यम मायने नहीं रखता क्योंकि वह सामग्री को ज्यादा महत्व देती हैं। रसिका ने वर्ष 2007 में अनवर के साथ अभिनय की शुरुआत की थी, जिसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म मंटो सहित कई फिल्मों में अभिनय किया।

उन्होंने पाउडर, पी.ओ.डब्ल्यू- बंदी युद्ध के और किस्मत के साथ छोटे पर्दे पर भी काम किया।

छोटे पर्दे पर अपने काम के बारे में बात करते हुए, रसिका ने बताया, मैंने फिल्मों में बहुत छोटे हिस्सों के साथ शुरुआत की थी।

जब मैं पहली बार फिल्म संस्थान से मुंबई आई, तो मैंने टीवी पर कुछ काम किया, लेकिन कभी भी धारावाहिकों में या फुल टाइम काम नहीं किया। रसिका ने कहा, मेरे लिए, मेरा पहला प्यार हमेशा से फिल्में रही हैं। मैं थिएटर भी करती थी। मेरे लिए, माध्यम बहुत मायने नहीं रखता है। कंटेंट अच्छा होना चाहिए।

अभिनय की बात की जाए तो रसिका एजाज खान द्वारा निर्देशित फिल्म हामिद में दिखाई देगी।

वह दिल्ली पुलिस नामक एक वेब-सीरीज में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका भी निभाती नजर आएंगी।